श्री राम सिंह धौनी राजकीय महाविद्यालय, जैंती (अल्मोड़ा)

सेमीनार आख्या

शासन द्वारा महाविद्यालयों को दिये गये निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 18.11.2019 को श्री रामसिंह धौनी राजकीय महाविद्यालय जैंती अल्मोड़ा में **'उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन एवं नवाचार'** विषयवार एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक माननीय श्री गोविन्द सिंह कुँजवाल जी रहे और विशिष्ट अतिथि डॉ0 एच0एस0 नयाल सहायक निदेशक उच्च शिक्षा निदेशालय हल्द्वानी (उत्तराखण्ड शासन के प्रतिनिधि) रहे। प्राचार्य द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। संगोष्ठी में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे साथ ही बौद्धिक सत्र में शिक्षकों द्वारा शोध पत्रों के माध्यम से अपने विचार रखे गये। समापन सत्र में समारोहक डॉ0 हेमलता तिवारी द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 नीता पाण्डेय रही।

31 मार्च 1996 को राजकीय महाविद्यालय जैंती को तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। प्रारम्भ में महाविद्यालय स्नातक कला संकाय के पाँच विषयों एवं स्नातक वाणिज्य संकाय के साथ सर्वोदय इन्टर कालेज जैंती द्वारा किराये में उपलब्ध कराये गये कमरों में संचालित किया गया। वर्ष 2012 से महाविद्यालय अपने भूमि भवन धामदेव में स्थानान्तरित हुआ। माननीय विधायक एवं पूर्व विधान सभा अध्यक्ष मा0 श्री गोविन्द सिंह कुँजवाल जी द्वारा 2013-14 में जहाँ एक ओर स्नातक विज्ञान संकाय एवं स्नातकोत्तर कला संकाय के तीन विषयों को शासन से स्वीकृति दिलायी गई वहीं दूसरी ओर कला संकाय में भी तीन नये विषय स्वीकृत कराये गये। महाविद्यालय का प्रारम्भ 1996-97 में जहाँ मात्र 30 छात्रों से हुआ था वह संख्या आज बढ़कर 279 हो गई है।

संगोष्ठी में मुख्य बिन्दु जो निम्नवत है उन पर गम्भीरता से लोगों ने विचार विमर्श कर अपनी राय दी तथा जिन विषयों में हमारे महाविद्यालय में पूर्व से ही कार्य किया जा रहा है। उन पर महाविद्यालय की प्रशंसा की गयी। जैसा कि आप सभी लोगों को विदित है कि हमारे महाविद्यालय की भौगोलिक परिस्थिति बड़ी विषम है। शिक्षक एवं छात्रगण बहुत दूर-दूर के गाँवों से पैदल महाविद्यालय आते है। बाजजूद इसके महाविद्यालय में छात्र उपस्थिति 75% से ऊपर रहती है, तथा पठन-पाठन कार्य बहुत सुचारू रूप से चलता है।

शिक्षक एवं छात्रों के अलावा विद्यार्थियों के अभिभावक भी महाविद्यालय को आगे बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उक्त विषय को संज्ञान में रखते हुए विगत 03 वर्षो से महाविद्यालय में पी0टी0ए0 का गठन किया जा रहा है। सत्र 2019-20 के लिये दिनांक 18 अक्टूबर 2019 को पी0टी0ए0 का गठन किया गया जिसमें कई अभिभावक उपस्थित थे और उन्होने महाविद्यालय एवं छात्र-छात्राओं के भविष्य हेतु कई सकारात्मक सुझाव भी दिये।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है और स्वस्थ शरीर हेतु हमारे अपने चारों ओर का पर्यावरण शुद्ध होना आवश्यक है। इसी अवधारणा को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में प्राचार्य द्वारा लगातार सितम्बर 2016 से वृक्षारोपण एवं सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप महाविद्यालय में विभिन्न प्रजाति के फूल, फलदार वृक्ष एवं अन्य प्रजाति के वृक्ष महाविद्यालय परिसर में लगाये गये हैं जो महाविद्यालय की खूबसूरती के अलावा पर्यावरण भी शुद्ध रखते है। हमारा महाविद्यालय जैवविविधता का एक अच्छा उदाहरण बन रहा है। Cleen Campus Green Campus अभियान के तहत महाविद्यालय में जगह-जगह कूड़ादान रखे गये हैं और पौलिथीन पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध लगाया गया है। इस अभियान के तहत जैंती महाविद्यालय द्वारा जैंती तहसील के कुटौली गाँव को गोद लिया गया है। सरकार के Fit India Movement को ध्यान में रखते हुए छात्र-छात्राओं को

स्वस्थ रखने हेतु महाविद्यालय में दिनांक 1 नवम्बर से 5 नवम्बर 2019 तक योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पतांजलि योग पीठ से आये विशेषज्ञों ने सभी को प्राणायाम एवं योग से होने वाले लाभ के विषय में विस्तार से बताया। योग प्रशिक्षक सुश्री खष्टी द्वारा प्रतिदिन 02 सत्रों में योग एवं प्राणायाम कराया गया।

भारत सरकार द्वारा विभिन्न कार्यकम जैसे Digitilization of Library, Exam, & Office Management कौशल विकास, आयुष्मान भारत योजना की जानकारी महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित छात्र–छात्राओं को समय–समय पर प्रदान की जाती है। इस के तहत परीक्षा एवं कार्यालय पूरी तरह इस योजना का लाभ उठा रहे है। इस कार्यकम के तहत महाविद्यालय में नवीनतम तकनीक के अन्तर्गत एडुसैट संचालित हो रहा है जिससे छात्र–छात्राओं को आधुनिक शिक्षा एवं तकनीक से जोड़ा जा सके। हर सम्भव प्रयास के बावजूद भी कतिपय कारणवश हम अपने लक्ष्य को इस मुद्दे पर पूर्ण रूप से अभी तक प्राप्त नहीं कर पाये हैं, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति एवं उच्चकोटि के सहयोग के साथ यथासम्भव हम अपने इस प्रयास में भी सफल होंगे।

कैरियर काउन्सिलिंग जो हमारे महाविद्यालय का एक अभिन्न अंग है तथा छात्र–छात्राओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है इस विषय को ध्यान में रखते हुए हर माह छात्र–छात्राओं के लिए ज्वलन्त समस्याओं एवं विभिन्न विभागों में भर्ती हेतु विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान कराये जाते है ताकि विद्यार्थियों का उचित मार्ग दर्शन हो सके।

चूंकि महाविद्यालय में अभी अधिकांश कक्षाएं स्नातक स्तर तक ही सीमित है और संसाधनों की कमी के कारण महाविद्यालय में शोध अभी सम्भव नहीं है फिर भी हमारे यहाँ के प्राध्यापक अपने स्तर से सेमीनारों में प्रतिभाग एवं शोध पत्र प्रकाशित करते रहते हैं। महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा अभी तक–लगभग 40 शोध पत्र प्रकाशित किये जा चुके हैं।

महाविद्यालय निरन्तर विकास की ओर गतिमान है और इस कम को आगे बढ़ाने हेतु प्राचार्य द्वारा नैक समिति का गठन किया गया है जो सभी शिक्षकों के सहयोग से नैक हेतु आवश्यक प्रपत्र पूरित करने में लगे हैं और हमारे महाविद्यालय का प्रयास रहेगा कि हम अगले वर्ष तक नैक प्रत्यायन अवश्य करवा सके।

जैंती महाविद्यालय अपने आप में एक आदर्श प्रस्तुत करता है जहाँ अभी तक कई महाविद्यालय ड्रेस कोड लागू नहीं कर पाये वही हमारे महाविद्यालय से सत्र 2016–17 से छात्र–छात्राऐं पूरी तरह ड्रेस कोड का पालन करते हैं। सुबह ठीक दस बजे इस महाविद्यालय में राष्ट्रगान एवं सांय नियमित रूप से राष्ट्रगीत गाया जाता है। छात्रसंघ चुनाव जहाँ हर महाविद्यालय के लिए एक चुनौतीपूर्ण विषय है वहीं जैंती महाविद्यालय के सभी पदाधिकारी विगत् 03 वर्षो से निर्विरोध चुने गये है। जो इस महाविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा इस महाविद्यालय का छात्रसंघ इन्टर तक प्रथम श्रेणी प्राप्त छात्र–छात्राओं को सम्मानित करता है जो एक सराहनीय कदम है। इसके अलावा महाविद्यालय में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी है ताकि दूर–दराज के वो छात्र–छात्राऐं जो नियमित कक्षाओं में आने में असमर्थ है, को व्यक्तिगत शिक्षा का लाभ मिल सके। छात्र संख्या सीमित होने के बावजूद भी हमारे छात्र–छात्राऐं एन0एस0एस0, खेल, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यकमों में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करते है जो स्थानीय संस्कृति एवं साहार्द को बढ़ावा देते है। जलवायु परिवर्तन एवं जल संचय की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में Rain Water Harvesting भी की जा रही है। जैव विविधता के महत्व को समझते हुए महाविद्यालय में Botanical Garden एवं एन0एस0एस0 वाटिका बनाई गई है जो महाविद्यालय को खूबसूरत बनाने के साथ–साथ ज्ञानवर्धक भी

है। शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं के हितों को ध्यान रखते हुए भोजन एवं जलपान की व्यवस्था हेतु सत्र: 2019–20 से महाविद्यालय में कैन्टीन का संचालन भी शुरू किया गया है।

जैंती के लोगों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को ध्यान रखते हुए मेधावी छात्रों की शिक्षा में व्यवधान न आये इस बात को संज्ञान में लेते हुए प्राचार्य द्वारा विगत 02 वर्षों से 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्र–छात्राओं की फीस स्वयं देने का निर्णय लिया गया है, जिससे प्रेरित होकर यहाँ के नियमित शिक्षकों ने भी इस कार्य में इस वर्ष से सहयोग करना प्रारम्भ कर दिया है। बावजूद इसके कि जैंती महाविद्यालय ने इतने कम समय में कई उपलब्धियां अर्जित की परन्तु अभी भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की चुनौतियां बाकी है। महाविद्यालय स्तर पर कई प्रयासों के बावजूद छात्र संख्या अभी भी आशा के अनुरूप नहीं है। हमें स्नातक एवं स्नाताकोत्तर कक्षाएं चलाने हेतु स्थाई शिक्षकों की आवश्यकता है। विज्ञान वर्ग में प्रयोगशालाओं के अभाव में अभी भी छात्र संख्या बहुत कम है। विज्ञान भवन निर्माण हेतु आगणन निदेशालय/शासन के विचाराधीन है।

महाविद्यालय में संसाधनों हेतु धन की आवश्यकता है। इसके अलावा पुस्तकालय में जगह एवं पुस्तकों की कमी अभी भी बनी है। कॉमन रूम एवं नये शौचालय बनाने की आवश्यकता है। विद्यार्थीयों के बैठने हेतु फर्नीचर की अत्यन्त कमी है, साथ ही महाविद्यालय को कम्प्यूटर्स की भी आवश्यकता है जिससे कम्प्यूटर लैब स्थापित हो सके। कीड़ा गतिविधियों के कुशल संचालन हेतु महाविद्यालय के पास अपना खेल का मैदान नहीं है।

सेमीनार/संगोष्ठी की मुख्य उपलब्धि निम्नवत रही।

01– शासन के प्रतिनिधि डॉ0 एच0एस0 नयाल सहायक निदेशक उच्च शिक्षा ने महाविद्यालय में प्राचार्य द्वारा विगत 02 वर्षों से महाविद्यालय के 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्र–छात्राओं का शुल्क स्वयं वहन करने तथा सत्र 2019–20 से प्रत्येक नियमित शिक्षक द्वारा 01–01 मेधावी किन्तु निर्धन छात्र–छात्रा का शुल्क वहन करने से प्रेरित होकर महाविद्यालय के ऐसे छात्र–छात्राओं जो विश्वविद्यालय की मैरीट में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करेंगे उन्हें वे व्यक्तिगत रूप से आर्थिक सहयोग करेंगे।

02– प्रश्न एव उत्तर सत्र में छात्रो द्वारा पूछे गये प्रश्नों के जवाब में मा0 श्री गोविन्द सिंह कुंजवाल जी विधायक/पूर्व विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अपने संबोधन में महाविद्यालय को 01 लाख रूपये की पुस्तकों, महाविद्यालय के लगभग 01 किमी0 पैदल रास्ते की मरम्मत कर सी0सी0 मार्ग बनाने तथा महाविद्यालय से लगी भूमि पर ग्रामवासियों की सहमति से कीड़ा मैदान बनाने हेतु प्रयास करने की घोषणा की गई।

हम विश्वास करते हैं की शासन हमारे महाविद्यालय को प्राथमिकता के आधार पर उपरोक्त सभी समस्याओं को हल करने में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करेगा।

18.11.2019

प्राचार्य
श्री राम सिंह धौनी राजकीय महाविद्यालय
जैंती (अल्मोडा)

18.11.19

(डॉ0 नीता पाण्डेय)
समन्वयक
एक दिवसीय सेमीनार
श्री राम सिंह धौनी राजकीय महाविद्यालय
जैंती (अल्मोडा)